राज्य वन सेवा केंद्रीय अकादमी, कोयम्बटूर के राज्य वन सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में भ्रमण

दिनांक 09.12.2019

दिनांक 09.12.2019 को राज्य वन सेवा केंद्रीय अकादमी, कोयम्बटूर के 30 राज्य वन सेवा अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों ने श्रीमती के. प्रदीपा (भा.व.से.) के निर्देशन में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण कर अनुसंधान कार्यों की जानकारी ली। श्री माना राम बालोच, भा.व.से., निदेशक शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर ने प्रशिक्षणार्थियों का सम्बोधन किया एवं संस्थान के बारे में बताया। डॉ. आई. डी. आर्य, वैज्ञानिक-जी समूह समन्वयक (शोध) संस्थान के अनुसंधान के बारे में बताया | श्री रमेश कुमार मालपानी, उप वन संरक्षक, प्रभागाध्यक्ष विस्तार प्रभाग ने पावर पोइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान के अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी । डॉ. जी. सिंह वैज्ञानिक-जी, प्रभागाध्यक्ष, वन पारिस्थित्तिकी एवं जलवायु परिवर्तन प्रभाग ने वन अनुसंधान और जलवायु परिवर्तन के बारे में बताया एवं संवाद के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों के प्रश्नों का समाधान किया | श्री माना राम बालोच, भा.व.से., ने श्रीमती के. प्रदीपा (भा.व.से.) को विस्तार प्रचार सामग्री भेट की | डॉ. तरुण कान्त वैज्ञानिक-एफ, प्रभागाध्यक्ष अनुवंशिकी एवं वृक्ष सुधार ने आनुवंशिकी और वृक्ष सुधार के बारे में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किए गए प्रश्नो का समाधान किया | डॉ. महेश्वर टी. हेगड़े, वैज्ञानिक-एफ, डॉ. संगीता सिंह, वैज्ञानिक-ई, डॉ. नवीन कुमार बोहरा, वैज्ञानिक-सी, श्री उमा राम चौधरी (भा.व.से.) और श्रीमती कुसुमलता परिहार, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे |

भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण किया, जहां डॉ. बिलास सिंह, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने विभिन्न जानकारियाँ प्रशिक्षणार्थियों को दी । भ्रमणकारी दल ने उसके पश्चात शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण किया, जहाँ श्री शैलेंद्र सिंह राठौड़, वरिष्ठ तकनीशियन ने पौधशाला तकनीक प्रशिक्षणार्थियों को समझाई एवं प्रायोगिक पौधशाला का भ्रमण करवा कर वहाँ पर प्रदर्शित विभिन्न वनस्पतियों के बारे में बताया |भ्रमण में, श्री महिपाल विश्नोई, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, श्री तेजा राम, कार्यालय परिचारक और श्री राजू सिंह, एम.टी.एस का सहयोग रहा |

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद